योहान 17:20 का अर्थ क्या है?

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 1

योहान 17:20 (ESV):
“मैं केवल इनके लिए नहीं, बल्कि उनके लिए भी प्रार्थना करता
हूँ जो उनके शब्द के माध्यम से मुझ पर विश्वास करेंगे।”

“जो उनके शब्द के माध्यम से मुझ पर विश्वास करेंगे” कौन हैं? योहान 17 में, हम यीशु की एक बहुत ही अंतरंग और शक्तिशाली प्रार्थना देखते हैं, जिसे अक्सर महायाजक की प्रार्थना (High Priestly Prayer) कहा जाता है। इस अध्याय के पहले भाग में, यीशु अपने शिष्यों, विशेष रूप से अपने प्रेरितों के लिए प्रार्थना करते हैं—पिता से उन्हें सुरक्षा देने, सत्य में पवित्र करने और एकता में बाँधने के लिए।

लेकिन श्लोक 20 में, यीशु का ध्यान बदल जाता है। वह कहते हैं:

“मैं केवल इनके लिए नहीं प्रार्थना करता…”
इसका मतलब है कि वह केवल उन प्रेरितों के लिए प्रार्थना
नहीं कर रहे थे जो उस समय उनके साथ थे।

फिर वह कहते हैं:

योहान 17:20 का अर्थ क्या है?

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 2

“…बल्कि उनके लिए भी जो उनके शब्द के माध्यम से मुझ पर विश्वास करेंगे।”

इसका मतलब है कि यीशु उन सभी के लिए प्रार्थना कर रहे थे जो भविष्य में प्रेरितों के द्वारा सुनाए गए सुसमाचार के माध्यम से मसीह में विश्वास करेंगे। अर्थात्, यीशु केवल अपने तत्कालीन शिष्यों के लिए नहीं बल्कि हर उस भविष्य के विश्वासी के लिए प्रार्थना कर रहे थे—जिसमें आप और मैं भी शामिल हैं।

मसीह की प्रार्थना की निरंतर शक्ति
इसका अर्थ है कि इतिहास के हर युग में हर विश्वासी—प्रारंभिक चर्च से लेकर आज के विश्वासियों तक—यीशु की प्रार्थना का लाभ प्राप्त करता है। यदि आप प्रेरितों के सुसमाचार, यानी नए नियम के संदेश के माध्यम से यीशु में विश्वास करते हैं, तो आप इस प्रार्थना का उत्तर हैं।

यीशु ने केवल पृथ्वी पर रहते हुए ही मध्यस्थता नहीं की। वह आज भी हमारे लिए मध्यस्थता कर रहे हैं:

इब्रानियों 7:25 (ESV):
“इसलिए, वह पूर्ण रूप से उन लोगों को बचाने में सक्षम है जो उसके माध्यम से परमेश्वर के निकट आते हैं, क्योंकि वह हमेशा

योहान 17:20 का अर्थ क्या है?

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 3

उनके लिए मध्यस्थता करने के लिए जीवित है।”

रोमियों 8:34 (ESV):
“कौन उसे दोष दे सकता है? मसीह यीशु वही है जिसने मरा, उठाया गया, और परमेश्वर के दाहिने हाथ पर बैठा है, और वास्तव में हमारे लिए मध्यस्थता कर रहा है।”

यह हमें आश्वस्त करता है कि हर विश्वासी पर दिव्य सुरक्षा और आशीर्वाद है। शत्रु हमें मात नहीं दे सकता, क्योंकि मसीह स्वयं हमारी रक्षा के लिए प्रार्थना कर रहे हैं।

क्या आप इस प्रार्थना में शामिल हैं?
हममें से प्रत्येक को यह प्रश्न पूछना चाहिए:

क्या मैं इस प्रार्थना में शामिल हूँ?

यदि आपने प्रेरितों के द्वारा सुसमाचार के माध्यम से यीशु मसीह पर विश्वास किया है, तो हाँ, आप शामिल हैं।

योहान 17:20 का अर्थ क्या है?

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 4

यदि आपने अभी तक यीशु को स्वीकार नहीं किया है, तो आमंत्रण अभी भी खुला है। यीशु आपको अपनी झुंडी में स्वागत करने, अनंत जीवन देने (योहान 17:3), और पिता के सामने अपनी निरंतर मध्यस्थता में शामिल करने के लिए तैयार हैं।

प्रार्थना करने का एक महत्वपूर्ण पाठ
इस श्लोक से हमें प्रार्थना के बारे में एक गहरा सबक मिलता है। यीशु केवल अपने वर्तमान शिष्यों के लिए प्रार्थना नहीं करते थे; वह भविष्य की पीढ़ियों के लिए भी प्रार्थना करते थे—उनके लिए जो उनके अनुयायियों के साक्ष्य के माध्यम से विश्वास करेंगे।

इसी तरह, हमें अपनी प्रार्थनाओं को केवल वर्तमान तक सीमित नहीं रखना चाहिए। हमें विश्वास के साथ प्रार्थना करनी चाहिए:

भविष्य की पीढ़ियों के लिए,

भविष्य के विश्वासियों के लिए,

और उन लोगों के लिए जो हमारे साक्ष्य के माध्यम से मसीह को जानेंगे।

योहान 17:20 का अर्थ क्या है?

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 5

यदि आप मसीह में विश्वास रखते हैं, तो आप उस महान आध्यात्मिक विरासत का हिस्सा हैं जो प्रेरितों के साथ शुरू हुई थी और आज भी जारी है। यीशु ने आपके लिए 2,000 साल पहले प्रार्थना की थी, और वह अभी भी आपके लिए प्रार्थना कर रहे हैं। आप अकेले नहीं हैं।

योहान 17:20 (ESV):
“मैं केवल इनके लिए नहीं, बल्कि उनके लिए भी प्रार्थना करता
हूँ जो उनके शब्द के माध्यम से मुझ पर विश्वास करेंगे।”

यह सत्य आपको आज्ञाकारिता में चलने के लिए उत्साहित करे, यह जानकर कि मसीह स्वयं आपके लिए मध्यस्थ हैं।

यदि आपने अभी तक यीशु को स्वीकार नहीं किया है, तो विलंब न करें। उद्धार का अवसर अभी भी खुला है:

योहान 1:12 (ESV):
“परंतु सभी को जो उसे ग्रहण करते हैं, और उसके नाम पर
विश्वास करते हैं, उसने परमेश्वर के पुत्र बनने का अधिकार दिया।”

योहान 17:20 का अर्थ क्या है?

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 6

भगवान आपको आशीर्वाद दें और आपके विश्वास को मजबूत करें।

JIUNGE NA GROUP LETU LA WHATSAPP HAPA >> WHATSAPP GROUP….

Share on:
WhatsApp